प्यार ! प्रगति !! अनुशासन !!!

मिथिलांचल का एक मात्र गौरवपूर्ण शिक्षण संस्थान

पी० सी० हाई स्कूल

पटसा (हसनपुर) जिला : समस्तीपुर

सी०बी०एस०ई०, नई दिल्ली से मान्यता कोड – 330148

Prospectus

निर्देशिका

Phone : 06275-282122, 282222, Mobile : 8986251427, 9631702531

Email : pchs50054@gmail.com | Website : www.pchighschool.co.in

52nd National Seminar on

Globalisation of
Economic & Social Development

प्यार ! प्रगति !! अनुशासन !!!

मिथिलांचल का एक मात्र गौरवपूर्ण शिक्षण संस्थान

न्यूनतम शुल्क !
आधुनिकतम सुविधा !!

आपका लक्ष्य !
हमारा उद्देश्य !!

पी० सी० हाई स्कूल

पटसा (हसनपुर) जिला : समस्तीपुर

सी०बी०एस०ई०, नई दिल्ली से मान्यता कोड – 330148

Phone : 06275-282122, 282222

Mobile : 8986251427, 9631702531

Email : pchs50054@gmail.com | Website : www.pchighschool.co.in

माध्यम – अंग्रेजी एवं हिन्दी

Prospectus (निर्देशिका)

संचालित : प्रोग्रेसिव एडुकेशनल एण्ड डेवलपमेंट ट्रस्ट

गतिविधियाँ

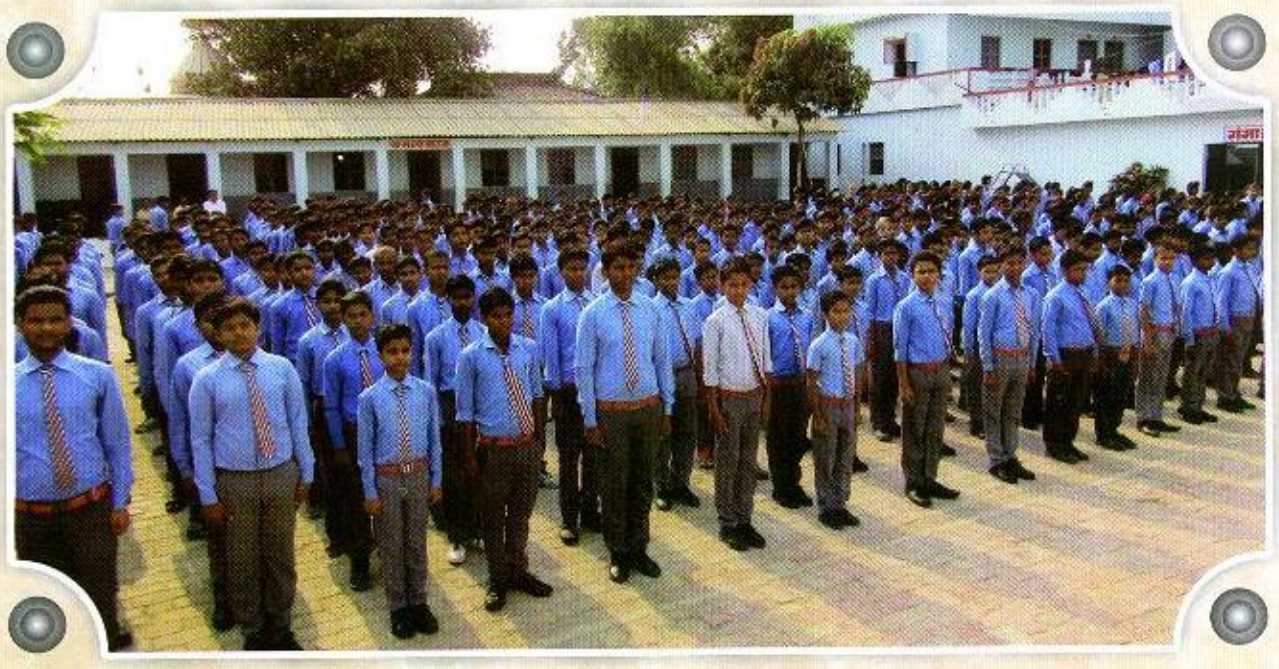

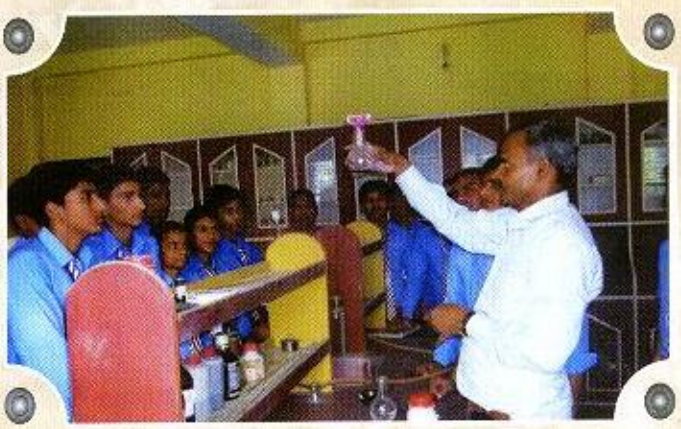

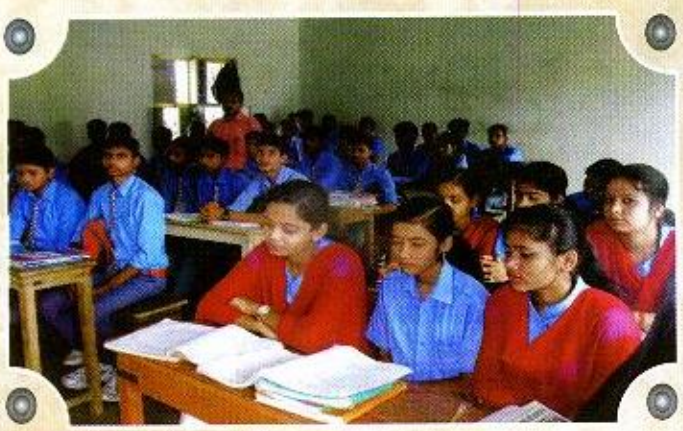

पी.सी० हाई स्कूल

निदेशक की कलम से...

शिक्षा जीवन का देदीप्यमान आलोक है, यह खुशहाल जीवन मात्र की आनन्दमयी सोपान है। प्रगति और विकास का सन्मार्ग है। यह देश की बौद्धिक, आर्थिक, शैक्षणिक, सामाजिक एवं वैज्ञानिक प्रगति के लिए मानव के व्यक्तित्व में एवं उनकी रचनात्मक क्षमताओं के बहुमुखी विकास की ओर उन्मुख करता है।

सदियों से विद्यालय का समाज से अभिन्न सम्बन्ध रहा है। समाज के द्वारा विद्यालय के आवश्यकताओं की पूर्ति होती रही और शिक्षा भी समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रदान की जाती रही। दुर्भाग्यवश विद्यालय और समाज के बीच की कड़ी टूटी है। बिहार में जहाँ दुनिया के कोने–कोने से लोग ज्ञान प्राप्त करने आते थे। नालंदा विश्वविद्यालय के अवशेष आज भी इस बात की गवाही देता है। तयशुदा बात है कि विकास का पैमाना शिक्षित समाज ही होता है। इसके बिना हम खुद के अस्तित्व की कल्पना तक नहीं कर सकते । शिक्षा का तात्पर्य है–संपूर्ण प्रतिभा का समग्र उन्नयन, जिसे बच्चे अपनी कल्पनाओं की असीम उड़ान भरते हुए पाता है। जब हम जमीनी हकीकत पर नजर डालते हैं तो पाँव देखकर हलकान हो जाने वाले मोर जैसी ही कसमसाहट महसूस करते हैं। परंतु युग परिवर्तनशील है और उसमें बड़े–से–बड़े जख्म भरने की ताकत भी है। मिथिलांचल के इस पिछड़े क्षेत्र की शिक्षा जगत को एक नया आयाम देने, मेधावी छात्र–छात्राओं को समकालीन राष्ट्रीय शिक्षा पद्धति से जोड़ने, सहकारी एवं सहयोग की भावना पर आधारित कुशल प्रबन्ध देने की तथा नन्हें सम्राटों को उनके जीवन के शीर्षस्थ लक्ष्यों तक तन्मयता से पहुँचाने में पी.सी.हाई स्कूल अपना एक विशिष्ट पहचान बनाया है।

मिथिलांचल के पटसा (हसनपुर) जिला : समस्तीपुर, में अवस्थित पी.सी. हाई स्कूल अपने नाम के अनुरुप, विद्यालय परिवार आत्म निर्देशन एवं आत्म अनुशासन के प्रति कटिबद्ध होकर अपने नन्हे सम्राटों में वैज्ञानिक मनोवृत्ति तथा जिज्ञासा को बढ़ावा देकर उन्हें प्रश्न करने तथा उत्सुकता सन्तुष्ट करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। आज के प्रतियोगीपूर्ण माहौल में विद्यालय अपने पवित्र लक्ष्य पर अनवरत कार्य करते हुए हजारों छात्र–छात्राओं के बौद्धिक विकास एवं उनके कैरियर को संवारने में सफल रही है और छात्रों एवं अभिभावकों के दिलों पर राज करती है। अभिभावकों के साथ सहयोगात्मक सम्बन्ध स्थापित कर उनके शिकायत एवं सुझावों को धैर्य से सुनकर उन्हें उनके बच्चों की उपलब्धियों और कमियों की जानकारी देने को सदैव तत्पर रहती है।

बच्चों के उज्जवल भविष्य एवं सुयोग्य नागरिक बनने के लिए उसका प्रारम्भिक जुड़ाव ऐसे विद्यालय से हो, जो अपने सार्थक उद्देश्य के प्रति सजग एवं निष्ठावान, परिवेश स्वच्छ एवं स्वस्थ, सुसंस्कृत एवं अनुशासित, भयमुक्त एवं प्राकृतिक सौन्दर्यता के बीच अवस्थित हो। जिसके शिक्षकों का समूह वर्तमान के प्रति सजग, कर्त्तव्य के प्रति आशावान, पूर्वाग्रह से परे, अनुशासित, समयनिष्ठ, सुयोग्य, अनुभवी एवं बच्चों के क्रियाकलाप को सही दिशा में मोड़ने का सामर्थ्य रखने वाला हो। जहाँ कुशल प्रबन्धन के अन्तर्गत पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशाला, खेल का मैदान, गोष्ठी, वाद–विवाद प्रतियोगिता, राष्ट्रीय क्रियाकलाप का परिदृश्य, टेलीविजन, अखबार, पत्र–पत्रिका की सार्थकता सिद्ध होती हो। कम्पयूटर, पेन्टिग, सिलाई, चित्रकारी, संगीत प्रशिक्षण तथा बागवानी, योगा आदि का दैनिक अभ्यास होता हो । इसके साथ ही जहाँ दिनचर्या का औचक निरीक्षण एवं उपलब्धि का विशिष्ट समायोजन होता हो। निःसंदेह वहाँ हमारे बच्चों का भविष्य उज्जवल एवं सफलता की चोटी की ओर अग्रसर होता रहेगा।

इस सन्दर्भ में कुशल प्रबन्धन एवं उन्नत तकनीक के द्वारा दमदार ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में पी.सी. हाई स्कूल में बच्चों की सही पहचान एवं सही मार्गदर्शन होता है।

राम किशोर राय
निदेशक

विद्यालय का संक्षिप्त इतिहास एवं उद्देश्य

पी0 सी0 हाई स्कूल का स्थापना वर्ष 1998 ई.है। मिथिलांचल के पिछड़े क्षेत्र में एक उच्च आदर्श शिक्षण संस्थान की स्थापना, जो बिहार के शिक्षा जगत को एक नया आयाम दे सके, आधुनिक प्रतियोगी युग के अनुकूल हो, मध्यम वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर, पिछड़ा एवं दलित वर्ग तथा अल्पसंख्यक परिवार का पहुँच हो, शैक्षणिक जगत की खाइयों को पाटने में तन्मयता के साथ प्रयासरत होने के लिए प्रबुद्ध विद्वान शिक्षक, समाज सेवी एवं प्रगतिशील युवकों के द्वारा एक प्रगतिशील शैक्षणिक चैरिटेबुल ट्रस्ट बनाई गयी । जिसका निबन्धन प्रोग्रेसिव एडुकेशनल एण्ड डेवलपमेंट ट्रस्ट के नाम से हुआ।

इस चैरिटेबुल ट्रस्ट के माध्यम से विद्यालय का संचालन एक प्रबन्धन समिति की देख–रेख में शुरू हुआ।प्रबन्धन समिति में संस्थापक शिक्षक, शिक्षाविद, शिक्षक प्रतिनिधि एवं अभिभावक प्रतिनिधि को सम्मिलित किया गया।ट्रस्ट एवं प्रबंन्धन समिति में किसी एक व्यक्ति का प्रभुत्व नहीं है, बल्कि इनके सदस्यों का एक–दूसरे से रक्त सम्बन्ध भी नहीं है।सहयोग एवं सहकारिता की भावना पर आधारित इस विद्यालय के संचालन के लिए ट्रस्ट एवं प्रबन्धन समिति के कुशल नेतृत्व में लम्बे प्रयत्न एवं धैर्य से पी.सी. हाई स्कूल को एक उच्च स्तरीय शिक्षण संस्थान के रूप में खड़ा किया गया, जो बिहार में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाने में कामयाब हुआ है।

आज विद्यालय के पास स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रशिक्षित शिक्षकों का स्थायी समूह, 3 एकड़ भूमि, खेल का मैदान, 82 कमरे का आकर्षक भवन जिसमें क्लासरूम, प्राचार्य कक्ष, कार्यालय, विज्ञान प्रयोगशाला, कम्प्यूटर कक्ष, पुस्तकालय, शिक्षक आवास, स्वच्छ पीने का पानी, पर्याप्त शौचालय, बिजली (जेनसेट) सुविधा उपलब्ध है।

विद्यालय को विशिष्ट शैक्षणिक दक्षता से फरवरी, 2006 में केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली से मान्यता मिली। ग्रामीण परिवेश वाले इस विद्यालय में देश के प्रमुख महानगर के समानांतर शिक्षा उपलब्ध होने के कारण यहाँ के छात्र–छात्राएँ डॉक्टर, इंजीनियर ही नहीं हैं बल्कि हर क्षेत्र में देश के सर्वोच्च संस्थानों में अपना स्थान सुनिश्चित कर विद्यालय को गौरवान्वित किया है।छात्र–छात्रा का निरंतर विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में चुना जाना विद्यालय की गुणात्मक शिक्षा का द्योतक है।

विद्यालय संचालन का मुख्य उद्देश्य मिथिलांचल के पिछड़े क्षेत्रों के शैक्षणिक विकास, बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने, प्रतियोगात्मक भावनाओं का संचार, बौद्धिक चेतना जगाने, उन्हें स्वावलम्बी बनाने एवं स्वयं, परिवार, समाज, देश, पर्यावरण एवं सभी धर्मों के प्रति उचित अभिवृत्तियाँ और क्रियाशीलता का विकास करना है।छात्र–छात्राओं में राष्ट्रीय चेतना एवं पहचान, देशभक्ति की भावना, अपनी संपन्न सांस्कृतिक परम्परा में गर्व महसूस करना, देश की एकता–अखण्डता की रक्षा के निश्चय को सुदृढ़ करना एवं हिन्दी भाषा को अनिवार्य रूप से पढ़ाया जाता है।

विद्यालय परिवार जाति, सम्प्रदाय, भाषा और जन्म स्थान का बिन्दु विचार किए बिना छात्रों से प्रेम एवं स्नेह का बर्ताव करते हुए उनके साथ न्याय तथा निष्पक्षता बरतते हैं।

पी.सी0 हाई स्कूल

नामांकन

नये सत्र में नामांकन 15 जनवरी से शुरू होता है और 30 मार्च को समाप्त हो जाता है। नामांकन के पूर्व छात्रों का रजिस्ट्रेशन एवं निर्धारित तिथि को जाँच परीक्षा आयोजित होती है। छात्रों के मानसिक एवं शैक्षणिक क्षमता के आधार पर ही नामांकन के लिए वर्ग निर्धारण किया जाता है।

नामांकन के समय आवश्यक

1. एस.एल.सी. या टी.सी.
2. जन्म प्रमाण–पत्र
3. आधार–कार्ड
4. दो पासपोर्ट साइज फोटो
5. आवश्यक एडमिशन फी एवं स्कूल फी

नोट : स्कूल द्वारा टाई, बेल्ट, बैज, डायरी एवं पहचान पत्र उपलब्ध कराया जाता है।

स्कूल ड्रेस

ग्रीष्मकालीन

1. स्काई ब्लू शर्ट
2. स्टील ग्रे पैंट/स्कर्ट
3. स्टील ग्रे मोजा
4. काला जूता
5. टाई – बेल्ट – बैज

शीतकालीन

1. स्काई ब्लू शर्ट
2. स्टील ग्रे पैंट/स्कर्ट
3. स्टील ग्रे मोजा
4. काला जूता
5. मेहरून लाल स्वेटर/ब्लेजर
6. टाई – बेल्ट – बैज

बड़ी लड़की के लिए

1. उजला – सलवार
2. स्काई ब्लू – समीज
3. लाल – शाल

स्पोर्ट्स ड्रेस

1. उजला पैंट
2. उजला टी–शर्ट मोनोग्राम के साथ
3. उजला जूता
4. उजला मोजा

विद्यालय समय

ग्रीष्मकालीन

(अप्रैल से सितम्बर)

7.00 A.M. to 12.00 P.M.

शीतकालीन

(अक्टूबर से मार्च)

8.30 A.M. to 1.30 P.M.

पी.सी० हाई स्कूल

परिवहन सुविधा

विद्यालय सुदूर या दूरवर्ती स्थानों से आने–वाले छात्रों के लिए परिवहन सुविधा उपलब्ध कराती है। सभी दिशाओं में परिगमन के लिए स्कूल बस है। बस भाड़ा विभिन्न स्थानों के लिए दूरी के आधार पर निर्धारित है।

पाठ्यक्रम

विद्यालय केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली के द्वारा अनुशंसित पाठ्यक्रम लागू करता है। विद्यालय में हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, विज्ञान (भौतिकी, रसायन और जीवविज्ञान), सामाजिक विज्ञान (इतिहास, भूगोल नागरिक और आपदा–प्रबंधन, अर्थशास्त्र), व्यवसायिक अध्ययन, एकाउन्टेन्सी, राजनीतिक विज्ञान, समाजशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, कम्प्यूटर, सामान्य ज्ञान, शारीरिक और स्वास्थ्य शिक्षा, कला और शिल्प एवं नृत्य–संगीत की शिक्षा दी जाती है।

शिक्षण का माध्यम–हिन्दी, संस्कृत एवं सामाजिक विज्ञान, संगीत के लिए हिन्दी एवं अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, कम्प्यूटर आदि सभी विषयों के लिए अंग्रेजी माध्यम से शिक्षण की व्यवस्था है।

पुस्तकालय

विद्यालय के पास एक समृद्ध पुस्तकालय है। इसमें विभिन्न विषयों से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार की किताबें उपलब्ध हैं। अंग्रेजी एवं हिन्दी में उपन्यास, नाटक, कविता, कहानियाँ की किताबें पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं । आत्म कथा, प्राचीन–इतिहास, आधुनिक इतिहास, राजीतिक विज्ञान, भूगोल, भौतिकी, रसायन, जीवविज्ञान, वैज्ञानिक उपकरण, सामान्य ज्ञान, गणित, तार्किक योग्यता, भारत के महापुरूषों की जीवनी, आजादी से सम्बन्धित आन्दोलन पर आधारित पर्याप्त संख्या में किताबें पुस्तकालय में उपलब्ध हैं।

विभिन्न पत्रिकाओं एवं समाचार–पत्रों की नियमित आपूर्ति की जाती है। छात्र वैज्ञानिक, राजनैतिक, अंग्रेजी पत्रिकाओं तथा सभी प्रकार के समाचार पत्रों का अध्ययन करने का आनन्द उठाते हैं ।

पुस्तकालय में एक प्रशिक्षित पुस्तकालय अध्यक्ष हैं, जो सावधानीपूर्वक और स्वच्छतापूर्वक सभी कार्य संपन्न करते हैं, आरामदायी और एकाग्रचित अध्ययन के लिए अत्याधुनिक बैठक–खाना और उपस्कर सुविधा उपलब्ध है।

विज्ञान प्रयोगशाला

विद्यालय के पास उच्च स्तरीय प्रयोगशाला उपलब्ध है। दसवीं एवं बारहवीं स्तर तक के छात्रों को सैद्धान्तिक और व्यवहारिक दिशा–निर्देश देने के लिए योग्य एवं कुशल शिक्षक एवं प्रयोगशाला सहायक हैं। यह छः अलग–अलग प्रभाग भौतिकी, रसायन, जीवविज्ञान, गणित, शारीरिक शिक्षा और कम्प्यूटर विज्ञान में बँटा हुआ है। प्रयोगशाला में सभी प्रकार के वैज्ञानिक उपकरण, प्रयोग और जाँच के लिए विभिन्न केमिकल उपलब्ध हैं। प्रयोगशाला में विद्युत, गैस और जल की नियमित आपूर्ति की जाती है। यह छात्रों को आवश्यक परीक्षण में मदद करता है।

हाउस व्यवस्था

विद्यालय पाँच अलग–अलग हाउस – **सरस्वती, काबेरी, गंगा, कोसी, बागमती** में अवस्थित है। प्रत्येक हाउस का अपना कैप्टन (नायक) और अस्सिटेंट कैप्टन (उपनायक) है। ये हाउस के स्वच्छ कार्यान्वयन की देख–रेख करने वाले शिक्षक की मदद करते हैं। हाउस स्तर पर धारा प्रवाह पाठ्यक्रम अथवा पाठ्यपुस्तक एवं इससे अतिरिक्त विषयों पर प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है।

पी.सी0 हाई स्कूल

सुरक्षात्मक उपाय

सभी क्रिया–कलापों की निगरानी हेतु विद्यालय में सी.सी.टी.भी. कैमरा लगा हुआ है। जिससे विद्यालय के प्रत्येक गतिविधियों की निगरानी की जाती है।

कम्प्यूटर शिक्षा

विद्यालय के पास दो कम्प्यूटर लैब उपलब्ध है। जहाँ प्रर्याप्त संख्या में कम्प्यूटर उपलब्ध है। विद्यालय में सभी वर्गों के लिए सैद्धान्तिक और व्यावहारिक कम्प्यूटर शिक्षा प्रदान की जाती है। जो अनुभवी प्रशिक्षित और योग्य शिक्षकों द्वारा दिया जाता है। यह आज के समय की माँग की पूर्ति करता है।

परीक्षा एवं परीक्षाफल

सी0 बी0 एस0 ई0 द्वारा जारी निर्देशानुसार विद्यालय में परीक्षा आयोजित की जाती है। साथ ही साथ सी0 बी0 एस0 ई0 के मापदण्डों के अनुरूप परीक्षाफल का प्रकाशन एवं छात्रों को अगले वर्ग में प्रमोशन दिया जाता है।

यदि कोई छात्र बीमारी की स्थिति में या परिवारिक कारणों से वर्ग में 75% से कम 50% तक उपस्थित रहते हैं तो उसकी क्षमायाचना प्राचार्य मंजूर कर परीक्षा में सम्मलित कर सकते है।

पारितोषिक / छात्रवृत्ति

विद्यालय प्रबन्धन द्वारा आर्थिक एवं सामाजिक रूप से पिछड़े छात्रों, साथ ही साथ मेघावी छात्रों को छात्रवृत्ति की सुविधा प्रदान की जाती है।

अभिभावक–शिक्षक मिलन दिवस

छात्रों के शैक्षणिक स्तर में विकास के लिए प्राचार्य द्वारा समय–समय पर अभिभावक–शिक्षक मिलन दिवस आयोजित किया जाता है, जिसमें छात्रों की उपलब्धियों एवं उनकी कमियों की जानकारी अभिभावक को दी जाती है। अभिभावकों के शिकायत एवं सुझावों को भी नोट किया जाता है।

अवकाश एवं छुट्टियाँ

विद्यालय केन्द्र / राज्य सरकार द्वारा घोषित अवकाश प्रदान करता है। विद्यालय में जून में 10 से 20 दिनों का ग्रीष्मावकाश तथा दिसम्बर–जनवरी में शीतकालीन अवकाश रहता है। सभी अवकाश एवं छुट्टियों के दिन एकेडमिक कैलेण्डर के माध्यम से प्रकाशित की जाती है।

शैक्षणिक भ्रमण

विद्यालय द्वारा हरेक वर्ष जून एवं नवम्बर में छात्रों के लिए शैक्षणिक भ्रमण की व्यवस्था की जाती है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

हरेक वर्ष गणतंत्र–दिवस, स्वतंत्रता–दिवस, शिक्षक–दिवस, बाल–दिवस एवं विद्यालय के वार्षिक स्थापना समारोह के अवसर पर छात्रों के द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की जाती है। जिसमें समसमायिक लघु नाटक, एकल एवं समूह गायन, नृत्य संगीत, कत्थक नृत्य एवं विभिन्न झाँकी की प्रस्तुत किया जाता है।

अनुशासनिक नियमन

छात्रों के बेहतरी तथा विद्यालय के स्वच्छ कार्यान्वयन के लिए विद्यालय द्वारा जारी निर्देशों का पालन अनिवार्य है।

छात्रों और अभिभावकों के लिए नियमन

1. छात्रों को विद्यालय द्वारा अनुशंसित पोषाक में ही अपने वर्ग में उपस्थित होने का प्रावधान है।
2. छात्रों की उपस्थिति कुल संचालित वर्गों का 75% से कम किसी हालत में नहीं होनी चाहिए।
3. छात्रों को किसी भी प्रकार के अवकाश पर जाने से पूर्व कार्यालय में उसके माता–पिता या अभिभावक को आवेदन–पत्र देना अनिवार्य है।
4. किसी भी लम्बे अवकाश पर जाने के लिए प्राचार्य से पूर्व अनुमति आवश्यक है।
5. किसी भी पाठ्य क्रियाकलाप–क्विज प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, सुन्दर लिखावट, उपाख्यान, वाद–विवाद, पेटिंग, चित्रांकन, संगीत, नृत्य, खेल एवं पर्सनैलिटी जाँच में छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य है।
6. किसी भी शैक्षणिक क्रियाकलाप में भाग लेने की अनिवार्यता की स्थिति में अनुपस्थित होने पर अनुशासित छात्रों को प्राचार्य के द्वारा पर्व अनुमति आवेदन पर रियायत दिया जायेगा।
7. छात्रों से सम्बन्धित शैक्षणिक आवश्यकता महसूस होने की स्थिति में अभिभावक को कार्यालय में उपस्थित होना अनिवार्य होगा।
8. छात्रों के दिनचर्या पर विशेष ध्यान रखा जाय और आवश्यकता पड़ने पर विद्यालय को सूचित किया जाय।
9. प्रत्येक माह के 5वीं तिथि तक स्कूल फी नियमित रूप से भुगतान करना अनिवार्य है।शुल्क भुगतान में विलम्ब होने पर शिक्षण तंत्र को लक्ष्य हासिल करने में बाधा उत्पन्न होती है जो आखिरकार आपके बच्चों के विकास में बाघक होता है।
10. लगातार बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर छात्रों का नाम उपस्थिति पंजी से हटाया जा सकता है ।

अपेक्षाएँ

छात्र जीवन में किसी भी क्षेत्र में खासकर शैक्षणिक क्षेत्र में किसी भी प्रकार से सहयोगात्मक कार्य का कोई दूसरा विकल्प नहीं होता है। अतः बच्चों के अभिभावक से सहयोगात्मक रवैया का हम ईमानदारीपूर्वक अपेक्षा करते हैं। आपके सपनों को साकार करने का हमारा प्रयास आपके सहयोग पर निर्भर करता है। विद्यालय दृढ़तापूर्वक विश्वास करता है कि आप हमारी कल्पनाओं पर खड़े उतरेंगे और स्वस्थ वातावरण सृजित करने में सहायता करेंगे।

पी० सी० हाई स्कूल
पटसा (हसनपुर) जिला : समस्तीपुर
सी०बी०एस०ई०, नई दिल्ली से मान्यता कोड – 330148

Activities